कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

आउटकम बजट–2013–14

1. विभाग के कार्यकलापों की संक्षिप्त टिप्पणी –

विश्वविद्यालय उत्तराखण्ड एवं विशेषरूप से कुमाऊँ क्षेत्र में उच्च शिक्षा के साथ साथ उच्च गुणवत्तायुक्त शोध कार्यों एवं रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के माध्यम से क्षेत्र के विकास में संलग्न है। विश्वविद्यालय अखिल भारतीय संघ का स्थायी सदस्य है तथा ''नाक'' से 4 स्टार की उत्कृष्ट श्रेणी प्राप्त है। विश्वविद्यालय **ISO 9001:2008** प्रमाणित है।

संगठनात्मक ढॉचा –

प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र कुमाऊँ में उच्च शिक्षा के सतत् एवं उत्तरोतर विकास में गति लाने हेतु तत्कालीन प्रदेश सरकार द्वारा अधिसूचना संख्या (10)/8651/15/75 (85)/64 दिनांक 23 नवम्बर, 1973 को कुमाऊँ विश्वविद्यालय की स्थापना की गयी, जिसका प्रशासनिक कार्यालय नैनीताल में स्थापित किया गया।

वर्ष 1973 में स्थापित विश्वविद्यालय के दो परिसर क्रमशः सोबन सिंह जीना परिसर, अल्मोड़ा तथा डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल हैं तथा तत्कालीम मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुपालन में तीसरा परिसर भीमताल में विकसित किया जा रहा है। वर्तमान में विश्वविद्यालय से सम्बद्ध तथा कुमाऊँ मण्डल में स्थित राजकीय महाविद्यालयों की संख्या 24 है तथा 38 स्ववित्तपोषित निजी महाविद्यालय/संस्थान सम्बद्ध हैं।

विश्वविद्यालय का संगठनात्मक ढॉचा

कुलपति

प्रशासनिक

कुलसचिव

उपकुलसचिव

सहायक कुलसचिव

कार्यालय अधीक्षक

सहा0कार्यालय अधीक्षक

वित्त अधिकारी

सहायक लेखाधिकारी

सहायक कुलसचिव(लेखा)

आन्तरिक लेखा परीक्षक

कार्यालय अधीक्षक

शैक्षिक

परिसर निदेशक

डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल

संकायाध्यक्ष

विभागाध्यक्ष

निदेशक–इण्टरनल क्वालिटी एश्योरैंश सैल

निदेशक–कैरियर काउंसिलिंग एवं प्लेसमैंट सैल

निदेशक–सूचना एवं संचार निदेशालय

निदेशक–शोध एवं प्रसार निदेशालय

निदेशक–एल्युमिनी सैल।

परिसर निदेशक

एस0एस0जे0 परिसर, अल्मोड़ा

विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कार्यक्रम आठ संकायों क्रमशः कला संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय, विधि संकाय, शिक्षा संकाय, चिकित्सा संकाय, तकनीकी संकाय एवं विजुअल आर्ट्स संकाय में विभाजित है। विश्वविद्यालय के डी0एस0बी0 परिसर में कला एवं विज्ञान विषयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर विषयों में पठन–पाठन एवं सोबन सिंह जीना परिसर, अल्मोड़ा में कला एवं विज्ञान विषयों की स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के पठन–पाठन के साथ–साथ वाणिज्य, विधि, शिक्षा, सांख्यिकीय, कम्प्यूटर विज्ञान, चित्रकला, सूचना एवं प्रौद्योगिकी इत्यादि में तथा विश्वविद्यालय के नव सृजित परिसर भीमताल में प्रबन्ध अध्ययन विभाग (एम0बी0ए0), फार्मेसी विभाग एवं बॉयोटैक्नोलॉजी विभाग अवस्थित हैं। वर्तमान में विश्वविद्यालय में संस्थागत एवं व्यक्तिगत

दोनों प्रकार के छात्रों को मिलाकर लगभग 1.50 लाख से अधिक विद्यार्थी उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में लगभग 10 हजार छात्र विश्वविद्यालय तथा सम्बद्ध संस्थानों में अध्ययनरत हैं।

विश्वविद्यालय में विभिन्न संकायों में संचालित आधारभूत एवं रोजगारपक पाठयक्रमों की सूची निम्नन्वत् है–

आधारभूत पाठ्यक्रम :– निम्न संकायों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं शोध कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं।

कला संकायः– 1. चित्रकला 2.अर्थशास्त्र 3.भूगोल 4. हिन्दी 5. इतिहास 6. अग्रेजी 7. गृह विज्ञान 8. संगीत 9. राजनीतिशास्त्र 10. मनोविज्ञान 11. संस्कृत 12. समाजशास्त्र 13. शिक्षाशास्त्र 14. सैन्य शिक्षा
वाणिज्य एवं प्रबन्ध संकाय :– 1. बी0काम0 2. एम0काम0 3. एम0बी0ए0 4. बी0बी0ए0 5. बी0एच0एम0
विज्ञान संकाय :– 1. वनस्पति विज्ञान 2. वानिकी 3. रसायन 4. कम्प्यूटर 5. भू–गर्भ 6. गणित 7. भौतिकी 8. सांख्यिकी 9. जन्तु विज्ञान 10. औषधी विज्ञान
शिक्षा संकाय :– 1. बी0एड0 2. एम0एड0
विधि संकाय – 1–एल0एल0बी0, एल0एल0एम0।
चिकित्सा संकाय :– 1. एम0बी0बी0एस0 2.. नर्सिग
तकनीकी संकायः– 1. बी0फार्मा 2. एम0 फार्मा
विजुअल आर्ट्स संकाय – 1– बैचलर ऑव फाइन आर्ट्स 2– मास्टर ऑव फाइन आर्ट्स,

रोजगारपरक पाठ्यक्रमः–

1. एम0एस–सी0 बायोटैक्नालाजी 2. एम0एस–सी0 माइक्रोबॉइलाजी 3.एम0एस–सी0 जियो इन्फोरमेटिक्स 4. बी0वी0ए0 (बैचुलर ऑफ विजुअल आर्ट्स) 5. एम0वी0ए0 (मास्टर ऑफ विजुअल आर्ट्स) 6.एम0एस0डब्लू (मास्टर ऑफ सोशल वर्क) 7. एम0 ए0 गृह विज्ञान 8. एम0जी0आई0एस0टी0 (मास्टर डिग्री इन जी आई सांइस एण्ड टैक्नालॉजी) 9. एम0सी0ए0 (मास्टर एन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) 10. एम0बी0ए0 ई–बिजनेस 11. एम0बी0ए0 पार्ट टाईम 12. बी0लिब0, 13. एम0लिब0 14.पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मास कम्यूनिकेशन एण्ड जर्नलिज्म 15. पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा एन ट्रांसलेशन 15. बी0सी0ए0, 16– एम0सी0ए0, 17–पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा एन कम्प्यूटर एप्लीकेशन 18. सिसको सर्टिफाइड नेटवर्क एसोसिएट पाठ्यक्रम 19. एडवांस सर्टिफिकेट कोर्स इन इन्फोरमेशन टैक्नालॉजी ।

विश्वविद्यालय श्रेष्ठ शैक्षिक वातावरण, शोध की गुणवत्ता, उसके उन्नयन एवं मूल्यांकन तथा छात्र छात्राओं के रोजगार हेतु मार्गदर्शन के लिए भी प्रतिबद्ध है तथा शिक्षकों को सम्बन्धित विषयों में नवीन जानकारी देने, शिक्षण तकनीक को और अधिक

प्रभावशाली बनाने, पुरातन छात्रों के सुझावों से विश्वविद्यालय को शैक्षिक श्रेष्ठता के पथ पर ले जाने के लिए भी वचनबद्ध है उक्त कार्यो के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न निदेशालयों व सेल का भी गठन किया गया है।

विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा क्षेत्र के शैक्षिक एवं सामाजिक विकास में अग्रणीय भूमिका का निर्वाह किया है उनके द्वारा किये गये योगदान को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय संस्थाओं एवं संगठनों द्वारा पुरूस्कार व उपाधियों से अलंकृत किया गया है।

1. पद्म श्री 2. साहित्य अकादमी पुरूस्कार 3. भटनागर पुरूस्कार 4. कालीदास पुरूस्कार 5. बाणभट्ट पुरूस्कार 6. बीरबल साहनी पुरूस्कार 7. वाचस्पति पुरूस्कार (के.के. बिडला फाउन्डेसन) 8. आचार्य नरेन्द्र देव सम्मान 9. विज्ञान वारिधी सम्मान 10. एफ. एन. ए. 11. उत्तराखण्ड रत्न

शिक्षकों एवं छात्रों में मौलिक विचारों, एवं शोध कार्यो को प्रोत्साहित करने के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विभिन्न शोध पत्र–पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन कार्य किया जा रहा है इसके अतिरिक्त ब्लॉक पत्रिकाओं एवं ई–पत्रिका का सम्पादन/संचालन भी किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के अकादमिक स्टाफ कालेज द्वारा ''क्वैस्ट'' जर्नल को ऑन लाइन किया गया है।

1. जनरल आफ रिजनल डैवलपमैन्ट 2. जनरल आफ मैन नेचर एण्ड सोसाइटी 3. विक्रम मैथमैटिकल जनरल 4. क्वैस्ट 5. चौथा स्तम्भ 6. ओकस् 7. उत्तरा 8. अनुनाद ब्लाग पत्रिका

छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु अनेकों शिक्षण सह–कार्यक्रमों के आयोजन हेतु निम्न समितियों एवं परिषदों का गठन किया गया है।

1. छात्रसंघ 2. सांस्कृतिक परिषद् 3. शोध–छात्र परिषद् 4. विभागीय परिषद् 5. राष्ट्रीय कैडेट कोर 6. राष्ट्रीय सेवा योजना 7. खेल समिति 8. कैन्टीन समिति, महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ।

- विश्वविद्यालय स्तर पर किये जा रहे शोध एवं प्रसार गतिविधियों में तेजी लाने एवं समस्याओं के समाधान हेतु विश्वविद्यालय स्तर पर शोध एवं प्रसार निदेशालय का गठन किया गया है तथा शोध एवं प्रसार सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है।
- विश्वविद्यालय एवं परिसरों की सूचना एवं संचार गतिविधियों के संचालन हेतु निदेशक सूचना एवं संचार की नियुक्ति एवं विद्यार्थियों की काउन्सिलिंग एवं प्लेसमैंट गतिविधियों हेतु निदेशक काउन्सिलिंग एवं प्लेसमेंट की नियुक्ति भी की गयी है।
- विश्वविद्यालय में शिक्षण एवं शोध के उच्च मापदण्डों को विकसित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 3000 से 4000 पुस्तकों, शोध ग्रन्थों इत्यादि का डेटाबेस तैयार कर पुस्तकालय में पाठकों हेतु OPAC की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।
- विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर में स्थापित जिला स्तरीय Natural Resources Data Management System Centre (NRDMS) द्वारा अल्मोड़ा जनपद का 1:50,000 पैमाने पर प्राकृतिक एवं मानवीय संसाधनों का कम्प्यूटरीकृत मानचित्र एवं एकीकृत आंकड़े तैयार किये गये हैं।
- डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल के भूगोल विभाग में सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना तंत्र प्रयोगशाला की स्थापना की गयी है।
- विश्वविद्यालय में दसवीं पंचवर्षीय योजनान्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा स्थापित अकादमिक स्टाफ कॉलेज देश का 53वां तथा उत्तराखण्ड राज्य का प्रथम तथा अकेला ऐसा संस्थान है।
- विश्वविद्यालय में स्थापित महादेवी सृजन पीठ हिन्दी में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सृजनात्मक लेखन को प्रोत्साहित कर रहा है।
- नये पाठ्यक्रमों में मास्टर्स ऑव विजुअल आर्ट्स, बी0लिब0, एम0लिब0, एम0फार्मा0, प्रारम्भ किये गये हैं।
- नये प्रोफेसनल पाठ्यक्रम यथा एम0सी0ए0, एम0बी0ए0 इन टूरिज्म, एम0एस–सी0 इन माइक्रोबाईलॉजी आदि प्रारम्भ किये गये हैं।
- विश्वविद्यालय में उत्तराखण्ड सैण्टर फॉर क्लाईमेट चेन्ज की स्थापना की गयी है जिसमें 15 विभिन्न कार्य उपखण्डों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन से सम्बन्धित जानकारी एकत्र कर दुष्परिणामों के निराकरण हेतु ठोस कार्य योजना तैयार की जारही है।
- विश्वविद्यालय की वार्षिक परीक्षाऐं शांतिपूर्ण ढंग से चल रही हैं तथा तथा माह जून, 2013 में परीक्षाफल घोषित करते हुए जुलाई, 2013 से परिसरों में विभिन्न कक्षाओं में पठन–पाठन प्रारम्भ हो जायेगा हुआ जिससे शैक्षिक सत्र पूर्णतः नियमित रहेगा।
- विश्वविद्यालय में स्नातकोत्तर कक्षाओं में सैमेस्टर सिस्टम लागू किया गया है।
- परीक्षा पद्धति में सुधार यथा केन्द्रीय मूल्यांकन, सत्र नियमितीकरण, परीक्षा–अवधि कम करते हुए शिक्षा सत्र पूर्णतः नियमित किया गया है।

महिलाओं के सम्बन्ध में कार्यक्रम –

- विश्वविद्यालय में महिलाओं हेतु केन्द्र/राज्य सरकार द्वारा अनुमन्य आरक्षण का सभी नियमित पाठ्यक्रमों/स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों में नियमानुसार आरक्षण सुनिश्चित किया जाता है।
- अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय में संगोष्ठी तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।
- महिलाओं के कल्याण हेतु विश्वविद्यालय में महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गयी है।
- विश्वविद्यालय में महिला उत्पीड़न प्रकोष्ठ की स्थापना की गयी है।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सहायता से ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजनान्तर्गत विश्वविद्यालय के सोबन सिंह जीना परिसर, अल्मोड़ा तथा डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल में एक–एक छात्रावासों का निर्माण किये जाने हेतु ` 50–50 लाख की धनराशियों से छात्रावासों का निर्माण करा कर वहॉ छात्राओं को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराई गयी है। साथ ही आयोग की सहायता से दोनों परिसरों में हैल्थ सैण्टरस् का निर्माण कराया जा रहा है।
- विश्वविद्यालय द्वारा छात्राओं को प्रोत्साहित एवं पुरस्कृत करने हेतु ''गौरा देवी स्वर्णपदक'' प्रदान किया जाता है।

विभाग द्वारा संचालित/कियान्वित (वर्ष 2013–14 की) प्रत्येक योजना के सम्बन्ध में सूचना– (धनराशि लाख ` में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
प्लान/नॉन प्लान पदों के वेतन एवं भत्तों आदि का भुगतान	कार्यरत कर्मचारियों के भुगतानार्थ	4469.18	357.43	स्नातक एवं स्नातकोतर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ शोध परियोजनाओं के सफल संपादन तथा विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन		1 वर्ष	स्नातक एवं स्नातकोतर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ शोध परियोजनाओं के सफल संपादन तथा विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन		1 वर्ष
अन्य मदें	विभिन्न कार्यालयी व्ययों हेतु	896.31				1 वर्ष			
योग		**5365.41**	**357.43**						
चालू निर्माण कार्य									
कु0वि0वि0 परिसर, अल्मोड़ा में आडिटोरियम भवन की साजसज्जा	परिसर में सम्पादित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के निमित्त		100.00	31.77(1200 व्यक्तियों की क्षमता के इस आडिटोरियम का सिविल कार्य पूर्ण हुआ। आडियो/विडियो तथा कुर्सियों हेतु धनराशि की मॉग की गयी है जिससे कार्य पूर्ण हो जायेगा।		1 वर्ष	साजसज्जा हेतु धनराशि स्वीकृत होने पर 1200 व्यक्तियों की क्षमतायुक्त इस आडिटोरियम का विभिन्न समारोहों में उपयोग किया जा सकेगा तथा किराये पर टैंट आदि लेने की आवश्यकता नहीं होगी साथ ही परिसर में सांस्कृतिक व अकादमिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।		1 वर्ष
नैनीताल में आडिटोरियम का निर्माण	विभिन्न समारोहों के आयोजनार्थ		103.58	कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण होगा तथा सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन हो सकेगा।		1 वर्ष	विश्वविद्यालय के विभिन्न समारोहों के आयोजन में सहायता होगी तथा किराये पर टैन्ट आदि नहीं लेने होगें जिससे मितव्ययिता होगी। परिसर में सांस्कृतिक व अकादमिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।		1 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
अल्मोड़ा परिसर में श्रेणी–1 व श्रेणी–2 के आवासों का निर्माण	कर्मचारियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने हेतु	–	29.83	–	निर्माण कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण हो जायेगा।	1 वर्ष	–	कर्मचारियों को आवासीय सुविधा उपलब्ध होने से उनकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी।	1 वर्ष
अल्मोड़ा परिसर में 50 बैडेड छात्रा छात्रावास का निर्माण	छात्राओं की आवासीय व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु	–	35.90	–	निर्माण कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण हो जायेगा।	1 वर्ष	–	50 छात्राओं को आवासीय सुविधा मितव्ययिता के आधार पर उपलब्ध होगी जिससे वे पठन–पाठन में अधिक समय दे सकेंगी। इससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।	1 वर्ष
अल्मोड़ा परिसर में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग का निर्माण	कम्प्यूटर विज्ञान की कक्षाओं के सुचारू संचालनार्थ।	–	32.67	–	अर्द्धनिर्मित शैक्षिक भवन पूर्ण हो जायेगा	1 वर्ष	–	अर्द्धनिर्मित शैक्षिक भवन पूर्ण होने पर प्रतिवर्ष लगभग 500 विद्यार्थियों को लाभ होगा	1 वर्ष
एकादमिक स्टाफ कालेज भवन का निर्माण	स्टॉफ कालेज के सुचारू संचालनार्थ	–	190.90	–	भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगा	1 वर्ष	–	भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो जायेगा तथा 48 कक्ष उपलब्ध होंगे जहॉ अकादमिक एवं आवासीय गतिविधियॉ संचालित हो सकेंगी	1 वर्ष

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
आई0पी0एस0डी0आर0 के कक्षा–कक्षों का निर्माण	विद्यार्थियों हेतु सुचारू पठन–पाठन हेतु	–	63.81	–	समस्त 6 कक्षा–कक्ष पूर्ण हो जायेंगें	1 वर्ष	–	कक्षा–कक्ष पूर्ण हो जाने से लगभग 50 विभिन्न पाठ्यक्रमों के छात्रों की पढ़ाई का अच्छा वातावरण बनेगा तथा नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने में सहायता मिलेगी।	1 वर्ष
नैनीताल में 60 छात्रों हेतु छात्रावास का निर्माण	छात्रों की आवासीय समस्या के निदानार्थ।	–	150.41	–	छात्रावास का निर्माण पूर्ण हो जायेगा	–	–	60 छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होगी जिससे उनकी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा	1 वर्ष
सूचना प्रौद्योगिकी पाठ्यक्रम के संचालनार्थ	माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अनुपालन में इस पाठ्यक्रम को स्ववित्त पोषित से हटाकर सामान्य श्रेणी में लिए जाने के फलस्वरूप	–	14.00	–	निर्धन छात्रों को सूचना–प्रोद्योगिकी पाठ्यक्रम सुलभ होगा।	1 वर्ष	–	निर्धन छात्रों को सूचना–प्रोद्योगिकी पाठ्यक्रम सुलभ होगा।	1 वर्ष
एस0सी0/एस0टी0 के अभ्यर्थियों को नैट कोचिंग का निःशुल्क प्रशिक्षण	प्रदेश में आरक्षित रिक्त पड़े पदों को भरने में सहायता होगी	–	16.14		प्रदेश में आरक्षित प्रवक्ताओं के रिक्त पड़े पदों को भरने में सहायता होगी	1 वर्ष	–	प्रदेश में आरक्षित रिक्त पड़े शैक्षिक पदों को भरने में सहायता होगी जिससे शिक्षकों की कमी को दूर कर उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हो सकेगा।	1 वर्ष

नई योजनाऐं

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी एवं पिथौरागढ़ में विश्वविद्यालय के एक–एक विस्तार पटल खोले जाने हेतु माननीय **मुख्यमंत्री जी की घोषणा**	दोनों बड़े महाविद्यालयों तथा पिथौरागढ़ जनपद के समस्त महाविद्यालयों के छात्रों को उनके स्थान पर ही विभिन्न शिकायतों का निस्तारण होगा तथा उन्हें नैनीताल नहीं आना पड़ेगा।					1 वर्ष		दोनों बड़े महाविद्यालयों तथा पिथौरागढ़ जनपद के समस्त महाविद्यालयों के छात्रों को उनके स्थान पर ही विभिन्न शिकायतों का निस्तारण होगा तथा उन्हें नैनीताल नहीं आना पड़ेगा जिससे विद्यार्थियों को पर्याप्त सुविधा होगी।	1 वर्ष
महादेवी वर्मा सृजनपीठ परिसर में आडिटोरियम तथा राइटर्स होम का निर्माण	विभिन्न समारोहों के आयोजनार्थ		89.07			1 वर्ष		सृजनपीठ में आयोजित होने वाले समारोहों हेतु किराये पर टैण्ट एवं फर्नीचर आदि नहीं लेना होगा जिससे मितव्ययता होगी	1 वर्ष
अल्मोड़ा में छात्रा–छात्रावास का फर्नीचर एवं साजसज्जा	छात्रावास को सुचारू रूप से संचालित किया जा सकेगा		10.00			06 माह		छात्राओं को आवसीय सुविधा मितव्ययता के आधार पर उपलब्ध होगी जिससे वे पठन पाठन में अधिक समय दे सकेंगी जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होगा।	06 माह

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अल्मोड़ा परिसर में कम्प्यूटर विज्ञान विभाग का फर्नीचर एवं साजसज्जा हेतु	कम्प्यूटर विज्ञान विभाग को कियाशील बनाया जा सकेगा		10.00			06 माह		कम्प्यूटर विज्ञान के भवन को उपयोग करते हुए प्रति वर्ष लगभग 500 छात्र लाभान्वित होंगे।	06 माह
डी0एस0बी0 परिसर, नैनीताल के कला संकाय के नवनिर्मित दो मंजिले भवन का फर्नीचर एवं साजसज्जा	नव–निर्मित कक्षा–कक्षों में फर्नीचर की व्यवस्था के उपरान्त कक्षों का उपयोग हो सकेगा		50.00			06 माह		नवनिर्मित कक्षा–कक्षों का पठन–पाठन हेतु लगभग 500 विद्यार्थियों/प्राध्यापकों हेतु कक्षों की व्यवस्था उपलब्ध होगी।	06 माह
अकादमिक स्टाफ कालेज के नव–निर्मित भवन का फर्नीचर एवं साज–सज्जा	स्टाफ कालेज भवन को फर्नीचर एवं सज्जित कर उपयोग किया जा सकेगा।	–	25.00	–	भवन पूर्ण सुसज्जित कर अकादमिक प्रयोजन तथा अतिथिगृह के रूप में उपयोग किया जा सकेगा	1 वर्ष	–	स्टाफ कालेज भवन के नवनिर्मित कक्षों को अकादमित प्रयोजन तथा अतिथिगृह के रूप में उपयोग किया जा सकेगा तथा प्रतिवर्ष 100–200 रिसोर्स पर्सन्स को बाहर ठहराने में होने वाले व्यय से बचा जा सकेगा।	1 वर्ष
आई0पी0एस0डी0आर के नवनिर्मित 6 कक्षा–कक्षों हेतु फर्नीचर	कक्षाओं को संचालित करने हेतु	–	10.00	–	भवन में आवश्यक फर्नीचर की व्यवस्था पूर्ण होगी। तथा लोकप्रिय पाठ्यक्रम में संख्यावृद्धि हो सकेगी जिससे छात्रों को रोजगार प्राप्ति में सहायता मिलेगी।	6 माह	–	ई–कॉमर्स के छात्रों को पठन–पाठन में सुविधा होगी तथा लोकप्रिय पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष 50 छात्रों की संख्यावृद्धि हो सकेगी जिससे छात्रों को रोजगार प्राप्ति में सहायता मिलेगी। नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने में सहायता मिलेगी।	6 माह

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
नैनीताल में 60 छात्रों हेतु निर्मित होने वाले छात्रावास का फर्नीचर	छात्रावासों को संचालित करने हेतु	–	30.00	60 छात्रों मितव्ययिता पर पठन–पाठन में सुविधा होगी		1 वर्ष	–	दूर–दराज के 60 छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रावास की सुविधा उपलब्ध होने से उन्हें पठन–पाठन में सुविधा होगी	1 वर्ष
विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों हेतु 1–1 वाहन (कुल तीन वाहनों का क्रय	परिसरों से मुख्यालय आने–जाने तथा कार्यालयी प्रयोग हेतु	–	20.00	2 वाहन क्रय किये जा सकेगें तथा परिसरों से प्राध्यापकों को विश्वविद्यालय आने–जाने में सुविधा होगी तथा समय की बचत होने के साथ–साथ प्रशासनिक कार्यों में सहयोग किया जायेगा।		6 माह	–	परिसरों से निदेशकों/प्राध्यापकों विभिन्न विधायी समितियों के सदस्यों को विश्वविद्यालय प्रशासनिक कार्यालय आने–जाने में सुविधा होगी तथा समय की बचत होने के साथ–साथ अकादमिक एवं प्रशासनिक कार्यों में गुणवत्ता आयेगी।	6 माह
अल्मोड़ा एवं नैनीताल परिसरों हेतु 2 एम्बुलैंस का क्रय	छात्र–छात्राओं को आकस्मिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के दृष्टिगत	–	20.00	–	विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों के छात्रों/छात्रा वासियों को चिकित्सा सुविधा सुलभ होगी।	6 माह	–	विश्वविद्यालय के तीनों परिसरों के प्रतिवर्ष लगभग 10000 हजार छात्रों/छात्रावासियों को चिकित्सा सुविधा सुलभ होगी।	6 माह
विश्वविद्यालय में 5 वर्षीय विधि पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु	इस क्षेत्र में छात्र विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त कर विभिन्न न्यायालयों में प्रैक्टिस कर सकंगें	–	200.00	–	पाठ्यक्रम प्रारम्भ हो सकेगा ।	1 वर्ष	–	प्रतिवर्ष 100 छात्र विधि स्नातक की उपाधि प्राप्त कर सकंगें	1वर्ष

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
होटल मैनेजमैंट का पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने हेतु	छात्रों को होटल मैंनेजमैंट का विशिष्ट प्रशिक्षण प्रदान किया जा सकेगा।	–	100.00	–	प्रतिवर्ष 50 छात्र विधि से होटल मैंनेजमैंट में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर रोजगार पा सकंगें	1 वर्ष	–	प्रतिवर्ष 50 छात्र विधि से होटल मैंनेजमैंट में स्नातक की उपाधि प्राप्त कर रोजगार पा सकंगें	1 वर्ष
विश्वविद्यालय का भीमताल में तीसरा परिसर बनाये जाने हेतु	तत्कालीन मा0 मुख्यमंत्री जी घोषणा का अनुपालन हो सकेगा।	–	300	–	लगभग 500 छात्रों को रोजगारपरक विषयों में प्रवेश दिया जा सकेगा	1 वर्ष	–	प्रतिवर्ष लगभग 500 विद्यार्थी रोजगार परक पाठ्यक्रमों में शिक्षा अर्जन कर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे।	1 वर्ष
महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ की स्थापना	महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किये जाने हेतु	–	20.00	–	महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग किया जा सकेगा।	1 वर्ष	–	लगभग 100 महिलाऐं प्रतिवर्ष लाभान्वित होंगी	1 वर्ष
विभिन्न संकायों को पुनर्गठित किया जाना	12वीं पंचवर्षीय योजना के एप्रोच पेपर के अनुपालन में विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों को पुनर्गठित किये जाने हेतु	–	2500.00	–	विभिन्न संकाय सुदृढ़ होंगें तथा पठन–पाठन एवं गुणवत्ता में सुधार होगा।	2 वर्ष	–	शिक्षा की गुणवत्ता में सार्थक सुधार होगा तथा 100000 से अधिक छात्र लाभान्वित होंगे।	1 वर्ष

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
दैवीय आपदा से हुए क्षति की पूर्ति	माह सितम्बर, 2010 में हुंई अतिवृष्टि के कारण विश्वविद्यालय के विभिन्न भवनों को दैवीय आपदा से हुई क्षति की भरपाई हेतु	—	418.69	—	विभिन्न भवन जो क्षतिग्रस्त हो गये हैं उन्हें पुनर्निमित /जीर्णोद्धार किया जा सकेगा	1 वर्ष	—	अल्मोड़ा परिसर के 5 भवनों, भीमताल के 1 भवन, दीवारों तथा प्रशासनिक भवन के आवासीय परिसरों की मरम्मत हो सकेगी जिससे लगभग 1000 छात्र लाभान्वित होंगे	1 वर्ष
भीमताल में एस0सी0एस0टी0 के अभ्यर्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में प्रशिक्षण दिया जाना	एस0सी0एस0टी0 के अभ्यर्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा जाना	—	1108.40	—	एस0सी0/एस0टी0 के 50 अभ्यर्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा	—	—	एस0सी0/एस0टी0 के 50 अभ्यर्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में प्रवेश हेतु प्रशिक्षण दिया जायेगा जिससे प्रतिवर्ष लगभग 20–30 छात्र लाभान्वित होगें।	1 वर्ष
विश्वविद्यालय से सम्बद्ध राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हल्द्वानी एवं पिथौरागढ़ में विश्वविद्यालय के एक–एक विस्तार पटल खोले जाने हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी की घोषणा	दोनों बड़े महाविद्यालयों तथा पिथौरागढ़ जनपद के समस्त महाविद्यालयों के छात्रों को उनके स्थान पर ही विभिन्न शिकायतों का निस्तारण होगा तथा उन्हें नैनीताल नहीं आना पड़ेगा।					1 वर्ष		दोनों बड़े महाविद्यालयों तथा पिथौरागढ़ जनपद के समस्त महाविद्यालयों के छात्रों को उनके स्थान पर ही विभिन्न शिकायतों का निस्तारण होगा तथा उन्हें नैनीताल नहीं आना पड़ेगा जिससे विद्यार्थियों को पर्याप्त सुविधा होगी।	1 वर्ष

3– विभाग में किये गये सुधारात्मक कार्य तथा नीतिगत पहल –

विश्वविद्यालय में पठन–पाठन, शोध में गुणात्मक सुधार एवं उच्च शिक्षा के उन्नयन तथा सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु विभिन्न प्रकोष्ठों/केन्द्रों की स्थापना की गयी है–

1. इण्टरनल क्वालिटी एसौरैंश सैल की स्थापना
2. सेन्टर फोर जर्नलिज्म एण्ड मिडिया स्टडीज
3. सेन्टर फार ट्रान्लेशन स्टडीज
4. गॉधी अध्ययन केन्द्र
5. उत्तराखण्ड जलवायु परिवर्तन केन्द्र
6. महिला अध्ययन केन्द्र
7. सेन्टर फॉर नेचुरल रिसोर्स डाटा मैनेजमैन्ट सिस्टम
8. महादेवी वर्मा सृजन पीठ
9. सेन्टर फॉर नैट कोचिंग एवं छात्रावास (अनुसूचित जाति हेतु)
10. बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र
11. बायोइनफोरमैटिक सेन्टर
12. कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण हेतु व्यथा समिति का गठन
13. महिला यौन उत्पीड़न सैल की स्थापना।

विश्वविद्यालय द्वारा उपर्युक्त प्रकोष्ठों /केन्द्रों की स्थापना हेतु सार्थक पहल की गयी है। स्पेशल कम्पोनैंट प्लान के अन्तर्गत अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को प्रशासनिक सेवाओं में प्रशिक्षण हेतु भीमताल में प्रशासनिक भवन का निर्माण किया जा चुका है तथा इस केन्द्र को संचालित किये जाने हेतु विभिन्न पदों के सृजन तथा आवश्यक ढॉचागत सुविधाओं का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया गया है।

समसामयिक विषयों के विकास एवं बौद्धिक सहभागिता हेतु विश्वविद्यालय द्वारा निम्न केन्द्रों का विकास किया गया है।

1. सेन्टर फोर जर्नलिज्म एण्ड मिडिया स्टडीज 2. सेन्टर फार टान्लेशन स्टडीज 3. गॉधी अध्ययन केन्द्र 4. उत्तराखण्ड जलवायु परिर्वतन केन्द्र 5. महिला अध्ययन केन्द्र 5. सेन्टर फॉर नेचुरल रिसोस डाटा मैनेजमैन्ट सिस्टम 6. सेन्टर फॉर ट्रान्सलेशन स्टडीज 7. महादेवी वर्मा श्रजन पीठ 8. सेन्टर फॉर नैट कोचिंग एवं छात्रावास (अनुसूचित जाति एवं जनजाति) 9. बौद्धिक सम्पदा अधिकार केन्द्र 10. बायोइनफोरमैटिक सेन्टर ।

विश्वविद्यालय श्रेष्ठ शैक्षिक वातावरण, शोध की गुणवत्ता, उसके उन्नयन एवं मूल्यांकन तथा छात्र छात्राओं के रोजगार हेतु मार्गदर्शन के लिए भी प्रतिबद्ध है तथा शिक्षकों को सम्बन्धित विषयों में नवीन जानकारी देने, शिक्षण तकनीक को और अधिक प्रभावशाली बनाने, पुरातन छात्रों के सुझावों से विश्वविद्यालय को शैक्षिक श्रेष्ठता के पथ पर ले जाने के लिए भी वचनबद्ध है उक्त कार्यो के सफल संचालन हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न निदेशालयों व सेल का भी गठन किया गया है।

विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् मेधावी छात्र–छात्राऐं अपनी योग्यता से राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय छात्रवृत्तियॉ प्राप्त कर रहे है इसके अन्य विश्वविद्यालय में भी अनेकों छात्रवृत्तियॉ देने की व्यवस्था है।

1. शिक्षा निदेशालय की छात्रवृत्ति 2. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी छात्रवृत्ति 3. जानकी पाठक छात्रवृत्ति 4. अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति 5. अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्ति 6. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान छात्रवृत्ति 7. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बर्ससी छात्रवृत्ति 8. विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त पुस्तक हेतु अनुदान 9. अन्य पिछड़े वर्ग हेतु छात्रवृत्तियॉ 10. 10 कि.मी. (असेवित) छात्रवृत्ति

पर्वतीय क्षेत्र की दुरूह भौगोलिक परिस्थितियों को देखतें हुए सीमान्त एवं सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के छात्र छात्राओं हेतु विश्वविद्यालय के तीनों परिसरो में सुविधायुक्त छात्रावासों की व्यवस्था है।

1. **डी.एस.बी. परिसर नैनीताल :** केनफील्ड छात्रावास (छात्र), के.पी. छात्रावास (छात्रा), एस. आर. छात्रावास (छात्रा), लग्घम छात्रावास (छात्रा),
2. **एस.एस.जे. परिसर, अल्मोड़ा :** कूर्मांचल छात्रावास (छात्र), एन.बी. छात्रावास (छात्र), शैलजा छात्रावास (छात्रा), जियारानी छात्रावास (छात्रा)
3. **भीमताल परिसर :** बाबू जगजीवन राम छात्रावास (छात्र), छात्रा छात्रावास (छात्रा) विद्योत्तमा छात्रावास ।

विश्वविद्यालय को देश के अग्रिम विश्वविद्यालयों की श्रेणी में लाये जाने हेतु अनेको सफल कार्यक्रम किये जा रहे हैं। जिसमें उच्चस्तरीय पठन–पाठन एवं शोध तथा क्षेत्र की साहित्य, कला एवं संस्कृति के संरक्षण और प्रसार हेतु पाठ्यक्रमों का निर्माण एवं अध्ययन केन्द्रो का सुदृढ़ीकरण। समाज की मुख्य धारा से वंचित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्र–छात्राओं के शैक्षिणिक उन्नयन हेतु छात्रावास एवं कोचिंग की निःशुल्क सुविधा। पर्वतीय क्षेत्र की महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक विकास में गति लाने हेतु महिला अध्ययन केन्द्र की स्थापना। पर्वतीय क्षेत्र के कला, साहित्य, विज्ञान, संस्कृति एंव समाज सेवा से जुड़े हुए विशेषज्ञों को सम्मानित एवं उनके द्वारा किये गये कार्यो को समाज मे व्यापक रूप से

प्रचार–प्रसार करने की योजना जिससे की युवा पीढ़ी उन्हे अपने आदर्श के रूप में स्थापित कर सके। क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के अत्यधिक अवसर उपलब्ध करवाने हेतु रोजगामूलक पाठ्यक्रमों का गठन तथा उद्योगों एवं विश्वविद्यालय के बीच समन्वय बनाने हेतु कार्यक्रम किये जा रहे हैं। फलस्वरूप पर्वतीय क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी विश्वविद्यालय अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकेगा।

- **निर्धारित आउटपुट/आउटकम को प्राप्त करने हेतु दक्षता वृद्धि एवं उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु किये गये उपाय, अधिकारों का विकेन्द्रीकरण–**

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न प्रकोष्ठों का गठन कर लक्षित उद्देश्यों की पूर्ति किये जाने तथा दक्षता वृद्धि एवं उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित किये जाने के दृष्टिगत निम्नलिखित प्रकोष्ठों द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा है।

1. इन्टरनल क्वालिटी एश्योरेन्स सेल
2. कैरियर काउंसिलिग एवं प्लेसमैंट सैल
3. सूचना एवं संचार निदेशालय
4. शोध एवं प्रसार निदेशालय
5. एल्युमनी सैल।

इसके अतिरिक्त विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्षों और विभागाध्यक्षों को विभिन्न मामलों में स्वतंत्रता तथा अधिकार देकर उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित की जा रही है।

4 – गत वर्ष की परफॉरमेन्स की समीक्षा –

➢ योजनावार निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ति के विवरण (वर्ष 2011–12) (धनराशि लाख `में)

योजना का नाम	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		आडट कम के सापेक्ष उपलब्धि	आउटकम		आउटकम के सापेक्ष उपलब्धि (Achievement)
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
आयोजनागत/आयोजनेत्तर पक्ष में कार्यरत् कर्मचारियों के वेतन भत्ते का भुगतान	कार्यरत् कर्मचारियों के वेतनभत्तों का भुगतान	3801.53	265.08		स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ शोध परियोजनाओं के संपादन तथा विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन		**265.08**	आयोजनागत पक्ष में कार्यरत् कर्मचारियों को समय से वेतन भत्तों तथा एरियर की किस्त का भुगतान हुआ	स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ शोध परियोजनाओं के सफल संपादन तथा विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का नियमित रूप से संचालन हो सका।
विविध कार्यालयी व्यय	विभिन्न बिलों यथा यात्राभत्ता, दूरभाष, विद्युत बिलों का भुगतान, परीक्षा–संचालन, उपकरण तथा फर्नीचर आदि का क्रय	709.57						विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन किया गया	विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन हो सका।

	उद्देश्य	आउट ले		आउटपुट		आउट पुट के सापेक्ष उपलब्धि (Achievement)	आउट कम		आउट कम के सापेक्ष उपलब्धि (Achievement)
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		प्लान	नॉन प्लान	
चालू योजनायें अल्मोड़ा परिसर में आडिटोरियम की साज–सज्जा (सिविल वर्क)	सिविल निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने हेतु		31.77	–	आडिटोरियम की पैनलिंग तथा सीलिंग का कार्य पूर्ण हुआ	आडिटोरियम में कुर्सियों तथा साउण्ड सिस्टम के अतिरिक्त सभी कार्य पूर्ण हुए हैं तथा इसका उपयोग प्रारम्भ किया जा सका है।	आडिटोरियम की पैनलिंग तथा सीलिंग का कार्य पूर्ण हुआ	–	1200 व्यक्तियों की क्षमतायुक्त इस आडिटोरियम का विभिन्न समारोहों में उपयोग किया जा सकेगा तथा किराये पर टैंट आदि लेने की आवश्यकता नहीं होगी साथ ही परिसर में सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।
राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन	विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में प्रवक्ता पदों को भरे जाने हेतु		10.00+ 29.75	–	प्रदेश में प्रवक्ताओं के रिक्त पड़े पदों को भरने हेतु सैट की कार्यवाही प्रारम्भ की जा सकी है।	आवश्यक तैयारियॉ की जा रही हैं।	प्रदेश में 23 विषयों में शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों को भरने में सहायता होगी जिससे शिक्षकों की कमी को दूर कर उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हो सकेगा।	–	प्रदेश के विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों में 23 विषयों में शिक्षकों के रिक्त पड़े सैकड़ों पदों को भरने में सहायता होगी जिससे शिक्षकों की कमी को दूर कर उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार हो सकेगा। इस परीक्षा में 1465 अभ्यर्थी सफल हुए ।

विभाग द्वारा संचालित/कियान्वित (वर्ष 2012–13 की) प्रत्येक योजना की समीक्षा– (धनराशि लाख `में)

योजना का नाम	योजना के उद्देश्य	आउट ले		परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटपुट		समय सीमा	परिकल्पित (प्रोजैक्टेड) आउटकम		समय सीमा
		नान प्लान	प्लान	नान प्लान	प्लान		नान प्लान	प्लान	
प्लान/नॉन प्लान पदों के वेतन एवं भत्तों आदि का भुगतान	कार्यरत कर्मचारियों के भुगतानार्थ	2010.00	200.00	स्नातक एवं स्नातको तर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ शोध परियोजनाओं के सफल संपादन तथा विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन		1 वर्ष	स्नातक एवं स्नातकोतर पाठ्यक्रमों के संचालन के साथ शोध परियोजनाओं के सफल संपादन तथा विश्वविद्यालय की शिक्षणेत्तर गतिविधियों का संचालन		1 वर्ष
अन्य मदें	विभिन्न कार्यालयी व्ययों हेतु	100.00				1 वर्ष			
शिक्षकों के छठे वेतनमान के 80 प्रतिशत (केद्रांश) अवशेष एरियर का भुगतान	शिक्षकों को देय अवशेष 80 प्रतिशत (केद्रांश) का अंतिम भुगतान	981.10	–	विश्वविद्यालय के शिक्षकों को देय अवशेष वेतन (केद्रांश)का सम्पूर्ण भुगतान किया गया		1 वर्ष	विश्वविद्यालय के शिक्षकों को देय अवशेष वेतन (केद्रांश) का सम्पूर्ण भुगतान किया गया जिससे अकादमिक कार्यों को निर्विघ्न एवं सुचारू रूप से संचालित किया जा सका।		1 वर्ष
योग		**3091.10**	**200.00**						
चालू निर्माण कार्य									
नैनीताल में आडिटोरियम का निर्माण	विभिन्न समारोहों के आयोजनार्थ		41.87	103.58 के सापेक्ष कुल रू0 41.87 ही अवमुक्त किया गया जिससे निर्माण इकाई द्वारा कार्य पूर्ण करने में असमर्थता व्यक्त की गयी तथा यह धनराशि विश्वविद्यालय के पी0एल0ए0 में पड़ी है।		1 वर्ष	वांछित धनराशि रू0 103.58 लाख प्राप्त होने पर विश्वविद्यालय के विभिन्न समारोहों के आयोजन में सहायता होगी तथा किराये पर टैन्ट आदि नहीं लेने होगें जिससे मितव्ययिता होगी। परिसर में सांस्कृतिक व अकादमिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।		1 वर्ष
भीमताल में बाउण्ड्री वॉल का निर्माण	स्पेशल कंपोनैंट प्लान के अन्तर्गत भीमताल में विश्वविद्यालय की भूमि की सुरक्षा हेतु	–	44.07	कार्य प्रगति पर है जिससे सम्पत्ति की सुरक्षा होगी।		1 वर्ष	सम्पत्ति को अतिक्रमण से बचाने तथा सम्पत्ति की सुरक्षा हो सकेगी		1 वर्ष

वित्तीय समीक्षा –

योजनावार प्राविधान तथा व्यय –

आयोजनागत पक्ष में – (वर्ष 2012–13)

(धनराशि लाख रू0 में)

क्रम संख्या	योजना का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा मॉग	शासन द्वारा स्वीकृत	अभ्युक्ति
1	आयोजनागत पक्ष में सृजित पदों के वेतन आदि का भुगतान	265.08	200.00	आयोजनागत पक्ष में सृजित पदों के सापेक्ष कार्यरत शिक्षकों को वेतनादि का भुगतान किया जा चुका है तथा इस धनराशि का सम्पूर्ण उपयोग हो चुका है।
2	चालू निर्माण कार्यों को पूर्ण करने हेतु (शासन द्वारा निर्धारित परिव्यय ` 500 लाख के सापेक्ष)	787.22	85.94	विश्वविद्यालय की 10 चालू योजनाओं को पूर्ण करने हेतु वांछित धनराशि के सापेक्ष केवल 02 योजना (आडिटोरियम की साज–सज्जा) के निमित्त शासन द्वारा रू0 41.87 लाख की राशि स्वीकृत की गयी जिससे पैनलिंग और फाल–सीलिंग का कार्य हो सका है अभी साउण्ड सिस्टम तथा कुर्सियों आदि का प्रस्ताव शासन में लम्बित है। दूसरी योजना भीमताल में बाउण्ड्रीवॉल का निर्माण हेतु रू0 44.07 लाख शासन द्वारा अवमुक्त किया गया जिसे निर्माण इकाई को निर्गत किया जा चुका है।

आयोजनेत्तर पक्ष में (लाख रू0 में)

क्रम संख्या	योजना का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा मॉग	शासन द्वारा स्वीकृत	अभ्युक्ति
1	आयोजनेत्तर पक्ष में सृजित पदों के वेतन आदि का भुगतान	3801.53	1350.00	विश्वविद्यालय की आय को कम करते हुए शासन द्वारा मात्र रू0 1900 लाख का प्राविधान किया जिसके सापेक्ष रू0 1350.00 लाख ही अनुदान स्वीकृत हुआ।
2–	अन्य मदें (कार्यालयी व्यय हेतु)	709.57	–	विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न कार्यालयी व्यय आदि हेतु प्रस्तावित मॉग के सापेक्ष शासन द्वारा कोई धनराशि स्वीकृत नहीं की गयी जिसे विश्वविद्यालय द्वारा अपने स्रोतों से प्राप्त आय से ही वहन किया गया।
3–	आयोजनेत्तर पक्ष में कार्यरत शिक्षकों को छठे वेतन आयोग की संस्तुतियों के आलोक में 80 प्रतिशत केन्द्रांश के अवशेष वेतन का भुगतान। (अनुपूरक मॉग)	1631.090	650.00	शिक्षकों को छठे वेतनमान के एरियर के 80 प्रतिशत (केन्द्रांश) रू0 1631.09 लाख की संशोधित मॉग विश्वविद्यालय के पत्रांक केयू/लेखा/वीसी/2012/036, दिनांक 10 अप्रैल, 2012 में पठित पत्रांक केयू/लेखा/शिक्षक/छ0वे0आ0/2011–12/689, दिनांक 29–2–2012 के द्वारा की गयी थी जिसके सापेक्ष केवल रू0 650.00 लाख ही प्राप्त हुआ जिस कारण अवशेष रू0 981.09 लाख का भुगतान अभी किया जाना शेष है।

योजनावार प्राविधान तथा व्यय –

आयोजनागत पक्ष में – (वर्ष 2013–14)

(धनराशि लाख रू0 में)

क्रम संख्या	योजना का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा मॉग	शासन द्वारा स्वीकृत	अभ्युक्ति
1	आयोजनागत पक्ष में सृजित पदों के वेतन आदि का भुगतान	357.43	–	शासन से अद्यतन कोई धनराशि प्राप्त नहीं हुई है।
2	चालू निर्माण कार्यों को पूर्ण करने हेतु	781.31	–	–तदैव–
3	नवीन योजनाओं हेतु	4893.16	–	–तदैव–

आयोजनेत्तर पक्ष में (लाख रू0 में)

क्रम संख्या	योजना का नाम	विश्वविद्यालय द्वारा मॉग	शासन द्वारा स्वीकृत	अभ्युक्ति
1	आयोजनेत्तर पक्ष में सृजित पदों के वेतन आदि का भुगतान	4469.18	–	विश्वविद्यालय की आय रू0 2032.03 लाख को कम करते हुए शासन से रू0 3333.38 लाख की मॉग की गयी है। अद्यतन कोई अनुदान राशि प्राप्त नहीं हुई है।
2–	अन्य मदें (कार्यालयी व्यय हेतु)	896.23	–	

ह0/–
वित्त अधिकारी
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल

ह0/–

कुलसचिव
कुमाऊँ विश्वविद्यालय, नैनीताल